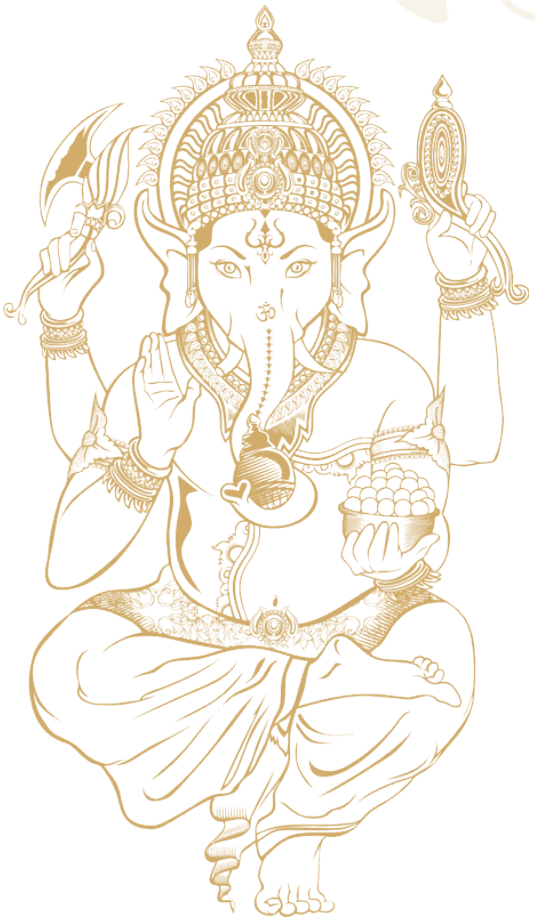

Aarti bhiel

12 Sep 2015

11:15 AM

Shahpura

Model: web-freekundliweb

Order No: 120942902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/09/2015**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**11:15:00 घंटे**
इष्ट	12:31:21 घटी
स्थान	**Shahpura**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:38:00 उत्तर
रेखांश	75:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:45:04 घंटे
वेलान्तर	00:03:31 घंटे
साम्पातिक काल	10:08:45 घंटे
सूर्योदय	06:14:27 घंटे
सूर्यास्त	18:37:48 घंटे
दिनमान	12:23:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	25:05:05 सिंह
लग्न के अंश	00:56:25 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सिद्ध
करण	चतुष्पाद
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मो-मोहन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	00:56:25	311:46:34	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
सूर्य			सिंह	25:05:05	00:58:23	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	स्वराशि
चंद्र			सिंह	13:47:05	11:53:21	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			कर्क	27:50:14	00:37:55	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	नीच राशि
बुध			कन्या	20:23:02	00:30:02	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	स्वराशि
गुरु			सिंह	12:48:42	00:12:54	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	20:58:02	00:13:04	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			वृश्चि	05:31:55	00:03:46	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	06:54:15	00:01:20	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	06:54:15	00:01:20	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मीन	25:34:07	00:02:00	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
नेप	व		कुंभ	14:01:35	00:01:37	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	18:56:26	00:00:23	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
दशम भाव			सिंह	06:01:37	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:04:36

लग्न-चलित

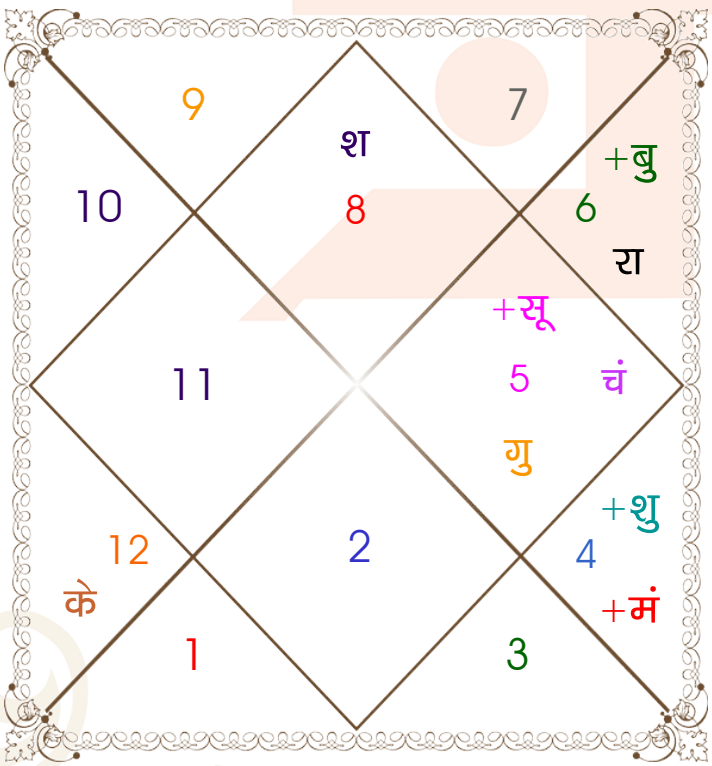

चन्द्र कुंडली

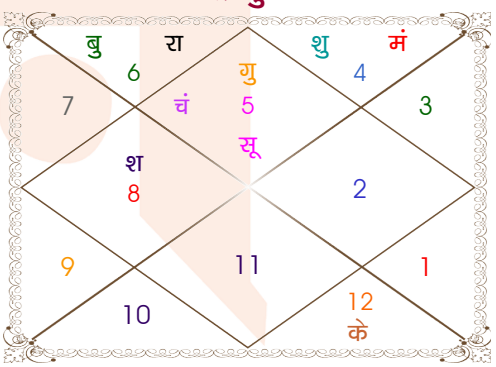

नवमांश कुंडली

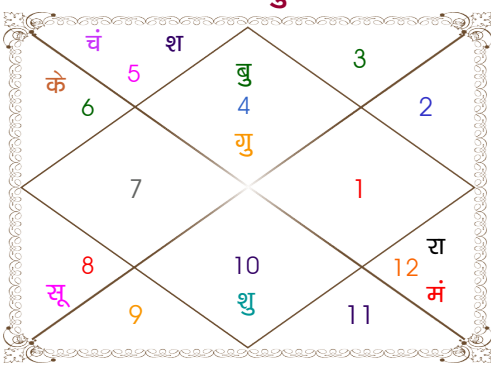

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 19 वर्ष 3 मास 26 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
12/09/2015		08/01/2035		07/01/2041		08/01/2051		07/01/2058	
08/01/2035		07/01/2041		08/01/2051		07/01/2058		08/01/2076	
शुक्र	09/05/2018	सूर्य	27/04/2035	चंद्र	08/11/2041	मंगल	06/06/2051	राहु	20/09/2060
सूर्य	09/05/2019	चंद्र	27/10/2035	मंगल	09/06/2042	राहु	23/06/2052	गुरु	13/02/2063
चंद्र	07/01/2021	मंगल	03/03/2036	राहु	08/12/2043	गुरु	30/05/2053	शनि	20/12/2065
मंगल	09/03/2022	राहु	25/01/2037	गुरु	08/04/2045	शनि	09/07/2054	बुध	09/07/2068
राहु	09/03/2025	गुरु	14/11/2037	शनि	08/11/2046	बुध	06/07/2055	केतु	27/07/2069
गुरु	08/11/2027	शनि	27/10/2038	बुध	08/04/2048	केतु	02/12/2055	शुक्र	27/07/2072
शनि	08/01/2031	बुध	02/09/2039	केतु	07/11/2048	शुक्र	31/01/2057	सूर्य	21/06/2073
बुध	08/11/2033	केतु	08/01/2040	शुक्र	09/07/2050	सूर्य	08/06/2057	चंद्र	20/12/2074
केतु	08/01/2035	शुक्र	07/01/2041	सूर्य	08/01/2051	चंद्र	07/01/2058	मंगल	08/01/2076

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
08/01/2076		08/01/2092		09/01/2111		09/01/2128		09/01/2135	
08/01/2092		09/01/2111		09/01/2128		09/01/2135		00/00/0000	
गुरु	25/02/2078	शनि	11/01/2095	बुध	06/06/2113	केतु	06/06/2128	शुक्र	13/09/2135
शनि	07/09/2080	बुध	20/09/2097	केतु	03/06/2114	शुक्र	06/08/2129		00/00/0000
बुध	14/12/2082	केतु	30/10/2098	शुक्र	03/04/2117	सूर्य	12/12/2129		00/00/0000
केतु	20/11/2083	शुक्र	30/12/2101	सूर्य	08/02/2118	चंद्र	13/07/2130		00/00/0000
शुक्र	21/07/2086	सूर्य	12/12/2102	चंद्र	10/07/2119	मंगल	09/12/2130		00/00/0000
सूर्य	09/05/2087	चंद्र	13/07/2104	मंगल	06/07/2120	राहु	28/12/2131		00/00/0000
चंद्र	07/09/2088	मंगल	21/08/2105	राहु	24/01/2123	गुरु	03/12/2132		00/00/0000
मंगल	14/08/2089	राहु	27/06/2108	गुरु	01/05/2125	शनि	11/01/2134		00/00/0000
राहु	08/01/2092	गुरु	09/01/2111	शनि	09/01/2128	बुध	09/01/2135		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 19 वर्ष 3 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।